Mano To Main Ganga Maa Hoon Bhajan Lyrics in Hindi English

Mano To Main Ganga Maa Hoon Bhajan Lyrics in Hindi

मानो तो मैं गंगा माँ हूँ,
ना मानो तो बहता पानी,
जो स्वर्ग ने दी धरती को,
मैं हूँ प्यार की वही निशानी,
मानो तो मै गंगा माँ हूँ,
ना मानो तो बहता पानी।।

युग युग से मैं बहती आई,
नील गगन के नीचे,
सदियो से ये मेरी धारा,
ये प्यार की धरती सींचे,
मेरी लहर लहर पे लिखी है,
मेरी लहर लहर पे लिखी है,
इस देश की अमर कहानी,
मानो तो मै गंगा माँ हूँ,
ना मानो तो बहता पानी।।

हरी ॐ हरी ॐ हरी ॐ।

कोई वजब करे मेरे जल से,
कोई वजब करे मेरे जल से,
कोई मूरत को नहलाए,
कही मोची चमड़े धोए,
कही पंडित प्यास बुझाए,
ये जात धरम के झगड़े,
ये जात धरम के झगड़े ओ,
इंसान की है नादानी,
मानो तो मैं गंगा मा हूँ,
ना मानो तो बहता पानी।।

हर हर गंगे हर हर गंगे।

गौतम अशोक अकबर ने,
यहा प्यार के फूल खिलाए,
तुलसी ग़ालिब मीरा ने,
यहा ज्ञान के दिप जलाए,
मेरे तट पे आज भी गूँजे,
मेरे तट पे आज भी गूँजे,
नानक कबीर की वाणी
मानो तो मैं गंगा मा हूँ,
ना मानो तो बहता पानी।।

मानो तो मैं गंगा माँ हूँ,

ना मानो तो बहता पानी,
जो स्वर्ग ने दी धरती को,
मैं हूँ प्यार की वही निशानी,
मानो तो मै गंगा माँ हूँ,
ना मानो तो बहता पानी ।।

Mano To Main Ganga Maa Hoon Bhajan Lyrics in English

Mano to main Ganga maa hoon,
Na mano to behta paani,
Jo swarg ne di dharti ko,
Main hoon pyaar ki wahi nishani,
Mano to main Ganga maa hoon,
Na mano to behta paani.

Yug yug se main bahti aayi,
Neel gagan ke neeche,
Sadiyon se ye meri dhaara,
Ye pyaar ki dharti seenche,
Meri lehr lehr pe likhi hai,
Meri lehr lehr pe likhi hai,
Is desh ki amar kahaani,
Mano to main Ganga maa hoon,
Na mano to behta paani.

Hari Om Hari Om Hari Om.

Koi wajab kare mere jal se,
Koi wajab kare mere jal se,
Koi moorat ko nahlaaye,
Kahi mochi chamde dhoye,
Kahi pandit pyaas bujhaaye,
Ye jaat dharm ke jhagde,
Ye jaat dharm ke jhagde o,
Insaan ki hai naadani,
Mano to main Ganga maa hoon,
Na mano to behta paani.

Har Har Gange Har Har Gange.

Gautam Ashok Akbar ne,
Yahan pyaar ke phool khilaaye,
Tulsi Ghalib Meera ne,
Yahan gyaan ke deep jalaaye,
Mere tat pe aaj bhi goonje,
Mere tat pe aaj bhi goonje,
Nanak Kabir ki vaani,
Mano to main Ganga maa hoon,
Na mano to behta paani.

Mano to main Ganga maa hoon,
Na mano to behta paani,
Jo swarg ne di dharti ko,
Main hoon pyaar ki wahi nishani,
Mano to main Ganga maa hoon,
Na mano to behta paani.

About “Mano To Main Ganga Maa Hoon” Bhajan in English:

“Mano To Main Ganga Maa Hoon” is a devotional bhajan that personifies the Ganga River as the divine mother, symbolizing purity, love, and spiritual blessings. The song emphasizes that those who recognize and believe in the sanctity of the Ganga will experience its spiritual benefits, while those who do not acknowledge it simply see it as flowing water.

The bhajan celebrates the Ganga’s role in the cultural and spiritual history of India, where it has been revered for centuries. It highlights how the river has provided a source of life and blessings for people from all walks of life, regardless of caste, creed, or religion. The song speaks about how the Ganga has been a witness to historical figures such as Gautam, Ashoka, Akbar, Tulsi, Ghalib, and Meera, who have all contributed to the spiritual and cultural richness of India.

The bhajan also addresses the importance of seeing beyond worldly divisions like caste and religion, encouraging unity and spiritual connection. It expresses the river’s divine nature and its eternal significance in the hearts of people.

About “Mano To Main Ganga Maa Hoon” Bhajan in Hindi:

“मानो तो मैं गंगा माँ हूँ” एक भक्ति भजन है जो गंगा नदी को देवी माँ के रूप में प्रस्तुत करता है, जो पवित्रता, प्रेम और आध्यात्मिक आशीर्वाद का प्रतीक है। यह भजन इस बात पर जोर देता है कि जो लोग गंगा की पवित्रता और दिव्यता को मानते हैं, उन्हें इसका आध्यात्मिक लाभ प्राप्त होता है, जबकि जो इसे केवल बहते पानी के रूप में देखते हैं, वे इसके महत्व को नहीं समझ पाते।

भजन में गंगा के भारतीय संस्कृति और आध्यात्मिक इतिहास में महत्वपूर्ण योगदान को व्यक्त किया गया है। यह बताता है कि गंगा ने सभी जातियों, धर्मों और वर्गों के लोगों को जीवन और आशीर्वाद दिया है। भजन में यह भी बताया गया है कि गंगा नदी ऐतिहासिक व्यक्तित्वों जैसे गौतम, अशोक, अकबर, तुलसी, ग़ालिब और मीरा की गवाह रही है, जिन्होंने भारत की आध्यात्मिक और सांस्कृतिक समृद्धि में योगदान दिया।

भजन का संदेश है कि जाति और धर्म के भेदभाव से परे जाकर हम सभी को एकता और आध्यात्मिक जुड़ाव की ओर बढ़ना चाहिए। गंगा की दिव्यता और उसकी अनन्त महिमा को दर्शाता यह भजन भक्तों को गंगा के प्रति श्रद्धा और प्रेम को स्वीकार करने के लिए प्रेरित करता है।